श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सचिव द्वारा "स्वच्छता ही सेवा" के सम्बन्ध में कुलपति महोदय के नाम प्राप्त अर्द्धसरकारी पत्र सख्या एफ.1-1/2017(सचिव)दिनांक 20.09.2017 के अनुपालन में बिन्दुवार विभाग द्वारा किये/कराये गये कार्यों की आख्या निम्नलिखित है।

बिन्दु 1) - पूरे परिसर, भवनों, बरामदों, शौचालयों आदि की प्रभावी ढ़ंग से कूड़ा इकट्ठा करके एवं ठोस कचरा प्रबंधन विधि अपनाकर सफाई सुनिश्चित करना।

आख्या- अभियांत्रिकी विभाग द्वारा यह कार्य उचित ढ़ंग से कराया जा रहा है तथा सदैव से ही और बेहतर करने हेतु प्रयास किया जाता रहा है। पत्तों, घास, जूठे अन्न आदि से जैविक खाद बनाया जाता है। जलमल शोधन संयंत्र से प्रयोग किये गये जल को शोधन करके दुबारा उपयोग में लाया जाता है तथा उसमें से निकले हुये ठोस कचरें (मानव मल आदि) को संयंत्र में लगे फिल्टर प्रेस से ठोस खाद बनाया जाता है।

(कटे हुये पत्तों व घास आदि से जैविक खाद की तैयारी करते हुये)

(मल-जल शोधन संयंत्र)

(मल-जल शोधन संयंत्र)

(फिल्टर प्रेस- मानव मल से खाद बनाने का संयंत्र)

बिन्दु 2)- स्वाधीनता के सत्तरवें वर्ष के अवसर पर परिसर में 70 पेड़ लगाने हेतु, परिसर के आकार के अनुसार, वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित करना।

आख्या- विद्यापीठ परिसर का कुल क्षेत्रफल 10.65 एकड़ है, जिसके प्रांगण में पहले से ही अत्यधिक संख्या में पौधे लगे हुये हैं। इस पखवाड़े में कई समितियों/विभागों द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। अन्तिम कार्यक्रम 28.09.2017(ई0) को हुआ जिसमें कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय एवं भवन समिति के सद्स्यों श्री चन्द्रशेखर प्रसाद (पूर्व महानिदेशक, के.लो.नि.वि.), प्रो. रोमेल मेहता, प्रो. अनिल दीवान, प्रो. रचना मोहन वर्मा एवं डॉ. रेनू बतरा ,कुलसचिव द्वारा वृक्षारोपण किया गया। जिसके कुछ छायाचित्र नीचे दिये गये है।

(प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय एवं प्रो. रोमेल मेहता वृक्षारोपण करते हुए)

(के.लो.नि.वि. के पूर्व महानिदेशक चन्द्रशेखर प्रसाद वृक्षारोपण करते हुए)

(प्रो. रचना मोहन वर्मा वृक्षारोपण करते हुए)

(प्रो. अनिल दीवान एवं डॉ रेनू बतरा वृक्षारोपण करते हुए)

बिन्दु 3)- सभी उच्च शिक्षण संस्थाओं में वर्षा जल संचयन हेतु उचित सुविधा स्थापित किये जाने की उम्मीद करना एवं इससे पूर्ण रुपेण कार्यरत रखने हेतु इसकी जाँच कराने हेतु आग्रह। यदि संस्था में यह सुविधा उपलब्ध न हो तो इसके लिए योजना बनाना एवं एक निश्चित समय सीमा में पूरा करना।

आख्या- विद्यापीठ परिसर में जल संचयन प्रणाली केन्द्रीय भू-जल बोर्ड भारत सरकार के निर्देशन में 2004 में लगाई गयी। तभी से ही यह काम कर रही है। दिल्ली जल बोर्ड ने भी इसका निरीक्षण किया है और इसे ठीक पाया हैं। अतः नियमानुसार दिल्ली जल बोर्ड से पानी के बिलों में 10 (दस) प्रतिशत की छूट भी प्राप्त हो रही है। वर्तमान में जल संचयन प्रणाली (रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम) का अनुरक्षण का कार्य चल रहा है। विद्यापीठ की विश्वविद्यालय कार्य समिति द्वारा 26.09.2017(ई0) को इसका निरीक्षण भी किया गया तथा ठीक पाया गया। जिसके कुछ छायाचित्र नीचे दिये गये हैं।

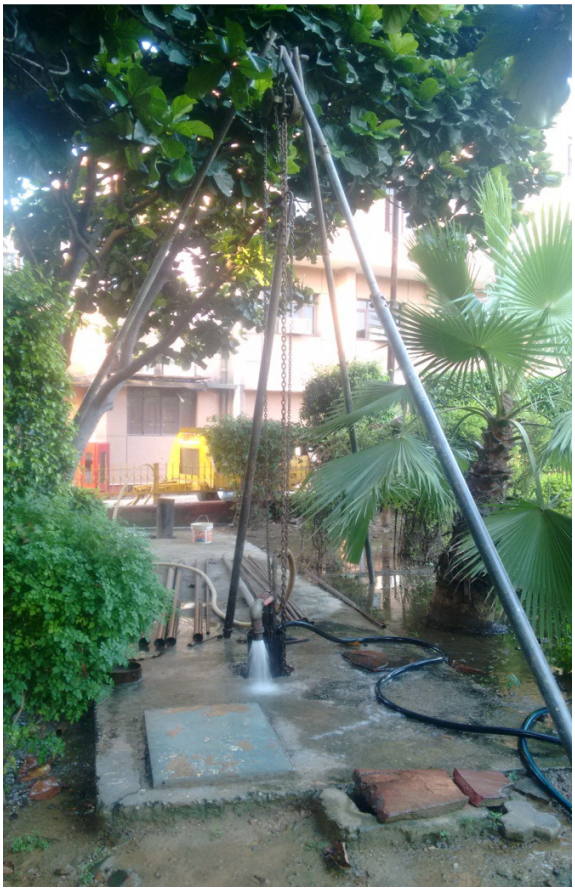

(विश्वविद्यालय कार्य समिति के सदस्यगण विद्यापीठ में लगे हुए वर्षा जल संचयन प्रणाली का निरीक्षण करते हुए)

(विश्वविद्यालय कार्य समिति के सदस्यगण विद्यापीठ में लगे हुए वर्षा जल संचयन प्रणाली का निरीक्षण करते हुए)

बिन्दु 4)- दैनिक जीवन में स्वच्छता एवं सफाई के महत्व को दर्शाने के लिए एक तय तिथि पर यथाशीघ्र सभी छात्रों एवं शिक्षकों को स्वच्छता की शपथ दिलाया जाना जिससे कि दूसरे लोग भी इसका अनुसरण करें।

आख्या- गाँधी जयन्ती एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर दिनांक 02 अक्टूबर 2017 को माननीय कुलपति महोदय द्वारा उपस्थित छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं आधिकारियों को स्वच्छता की शपथ दिलायी गयी। छायाचित्र संलग्न है।

(माननीय कुलपति जी 02 अक्टूबर 2017(ई0) को स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए)

(माननीय कुलपतिजी कुलानुशासक एवं अन्य विद्वतजन पार्क की सफाई करते हुये।)

(माननीय कुलपतिजी एवं अन्य विद्वतजन स्वच्छता की शपथ लेने के बाद विश्व के कल्याणार्थ एवं स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने हेतु गीता पाठ करते हुये।)

बिन्दु 5)- विद्यापीठ के माननीय कुलपति महोदय प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय व कुलसचिव महोदया डॉ (श्रीमती) रेणु बत्रा की उपस्थिति में विद्यापीठ कें एन.सी.सी कैडेट व छात्र और छात्राओं तथा संकाय प्रमुख के समक्ष भारत के स्वच्छता ही सेवा **'Swachhta Hi Seva'** के अंतर्गत दिये गये दिशा–निर्देशों से अवगत कराया गया और सफाई और स्वच्छता के प्रति हम सब की भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया।

एन.सी.सी कैडेट और अन्य छात्र और छात्राओं के साथ सयोंजक अभिषेक तिवारी के निर्देशन में स्थानीय बाजार व कालोनी, कटवारिया सराय का दौरा किया गया तथा वहॉ के दुकानदारों व निवासियों को सफाई की महत्त्वता के प्रति जागरूक किया गया । इसके अतिरिक्त विद्यापीठ के आसपास मौजूद ओटोरिक्शा चालकों को भी अपने आसपास हर स्थान पर किस प्रकार सफाई रखनी चाहिए इसकी जानकारी दी गई ।

———